

पिघलता हिमालय

वर्ष 42 अंक 18 हल्द्वानी सम्बत् 2083 सोमवार 5 अक्टूबर 2026 एक प्रति 5 रु., वार्षिक-200 रु. आजीवन 2000 रु.

संस्थापक- स्व.आनन्द बल्लभ उप्रेती
स्व.दुर्गा सिंह मतौलिया,
स्व.श्रीमती कमला उप्रेती

editorpighaltahimalay@gmail.com
Website-
www.pighaltahimalay.com

सम्पादक : श्रीमती गीता उप्रेती
संरक्षक : फली सिंह दत्तल
मंगल सिंह मतौलिया



मदन सिंह जंगपांगी से बातचीत यात्रियों, व्यापारियों, छात्रों की चहल-पहल थी एनटीडी में

- अल्मोड़ा का एनटीडी हमेशा हलचल भरा पड़ाव रहा है
- बुर्फू से ससखेत फिर अल्मोड़ा ही रहने लगे प्रयाग सिंह जी
- पहले 10-12 मकान थे, पढ़ने के लिये रैमजे कालेज था
- पुराने परिवारों में कुन्दन सिंह रावत का खूब नाम है

कार्यालय प्रतिनिधि

पिघलता हिमालय की वार्तालाप में आज शामिल हैं श्रीमान मदन सिंह जंगपांगी। अल्मोड़ा के एनटीडी क्षेत्र निवासी जंगपांगी बचपन से यहीं रहे और पूरी यात्रा में बदलते एनटीडी को देख रहे हैं, जो कभी विशेष हलचल का केन्द्र था। पहाड़ के दुर्गम क्षेत्रों से आने वाले व्यापारियों, यात्रियों, पढ़ाई के लिये आने वाले छात्र छात्राओं की चहल-पहल थी एनटीडी में। 'नारायण तिवारी देवाल' का यह क्षेत्र अल्मोड़ा लगे ग्रामों का भी केन्द्र है।

बातचीत का सिलसिला बढ़े उससे पहले बता दें जोहार के किशन सिंह जी हुआ करते थे उन्हीं की परिवार है जो एनटीडी में आई। किशन सिंह के पुत्रों में

प्रयाग सिंह (इनकी अगली पीढ़ी में मदन सिंह, नरेन्द्र सिंह, गोमती, मैना, निर्मला, गंगोत्री हुए)। वकील साहब पान सिंह (इनकी अगली पीढ़ी में तारा सिंह उससे आगे मनीष जंगपांगी)। घटियाड़ में दीवान सिंह जी (इनकी अगली पीढ़ी रामानन्द जी, भूपेन्द्र, महेंद्र सिंह हुए)। आनरेरी कैप्टन राजेन्द्र सिंह (इनकी अगली पीढ़ी में त्रिलोक सिंह उससे आगे तनुज जंगपांगी)।

थल से मुनस्यारी जाते समय मार्ग में घटियाड़ में रामानन्द जी के परिवार का खासा नाम है। मदन सिंह जी का जन्म ससखेत में 12 जनवरी 1954 को हुआ जो 1955 में अल्मोड़ा परिवार के साथ आ गये। एनटीडी में रहते हुए

इन्होंने हाईस्कूल किया और आगे की पढ़ाई प्राइवेट तौर पर करते रहे। सन् 1973 में एसएसबी से सबइन्स्पेक्टर (वायरलेस) के रूप में सेवानिवृत्त हुए। इनके छोटे भाई नरेन्द्र सिंह जी प्रोवेजनल अधिकारी के रूप में सेवानिवृत्त हुए। मदन जी का विवाह पांगी परिवार की भागीरथी जी से हुआ। इनके अगली पीढ़ी में दीक्षा (रावत), योगिता (धपवाल), बिन्दु (शाखा प्रबन्धक मुम्बई), रीना, विनीता (दिल्ली) हैं।

यह जंगपांगी परिवार जोहार के बुर्फू से पहले ससखेत फिर अल्मोड़ा में आया। थल से डीडीहाट मार्ग पर पतेत, ससखेत सुन्दर ग्राम हैं। मदन सिंह जी बताते हैं शेष पृष्ठ 2 पर

सम्यक् विचार : समाज में जनजागृति का अभियान

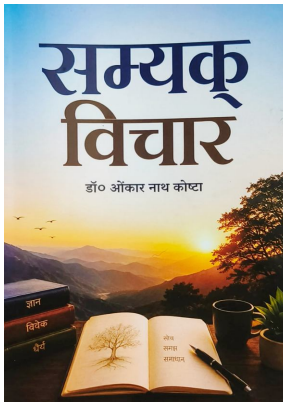
श्रीज उप्रेती

डॉ. ओंकार नाथ कोष्टा की कृति 'सम्यक् विचार' का संकलन पुस्तक रूप में आ चुका है। दरअसल यह सब उनका समाज में जनजागृति का अभियान भी है। जैसा कि डॉ. कोष्टा कहते हैं- 'पहले मैं अपने विचार अतिसंक्षेप में सूत्र रूप में फेसबुक पर लिखता था जिसे लोग काफी पसन्द करते थे। बाद में लोगों की प्रतिक्रिया को देखते हुए मैंने गीता जयन्ती सम्बत् 2079 विक्रमी अर्थात् दिसम्बर 2022 से उत्तराखण्ड के प्रसिद्ध साप्ताहिक समाचार पत्र पिघलता हिमालय में विस्तृत और व्यवस्थित रूप से सम्यक् विचार नाम से एक स्थाई स्तम्भ के रूप में लिखना प्रारम्भ किया। तीन वर्ष से अधिक का समय हो गया, अब उन विचारों को संकलित कर एक पुस्तक के रूप में प्रकाशित किया जा रहा है।'

जेएसआर पब्लिकेशन, पिपलिया पाला अम्बिकापुरी, इन्दौर मध्य प्रदेश से प्रकाशित इस पुस्तक में राजनीतिक,

टेक्निकल, ज्योतिषीय, स्वास्थ्य, सामाजिक, धार्मिक आदि सभी प्रकार के समसामयिक विषयों पर अपने अध्ययन के आधार पर शास्त्रसम्मत विचार प्रकट किये हैं।

डॉ. ओंकार नाथ कोष्टा एक प्रख्यात शिक्षाविद्, वैदिक ज्योतिषाचार्य, आयुर्वेद विशेषज्ञ एवं चिन्तक हैं। उनका जन्म 26 अक्टूबर 1961 को हुआ। वे मूलतः कानपुर (उत्तर प्रदेश) के निवासी हैं। उन्होंने आईआईटी रुड़की में वर्ष 1986 में बीई (इलेक्ट्रिकल) की उपाधि प्राप्त की। इसके अतिरिक्त उन्होंने संस्कृत एवं दर्शन शास्त्र में एमए (2008), पीएचडी (2013), आयुर्वेद रत्न (1995), एमडी अल्टरनेटिव मेडिसिन (2014) तथा एडवांस डिप्लोमा इन एस्ट्रोलॉजिकल साइंसेस (2016) जैसी अनेक उच्च शैक्षणिक योग्यताएं अर्जित की हैं। शिक्षा एवं समाज सेवा के क्षेत्र में उनका योगदान अत्यन्त उल्लेखनीय रहा है। उन्हें तत्कालीन शिक्षा के क्षेत्र में कुल 33 वर्षों का समृद्ध



अनुभव प्राप्त है, जिसमें 10 वर्ष प्रधानाचार्य, 12 वर्ष विभागाध्यक्ष तथा 11 वर्ष प्रवक्ता के रूप में उनकी सेवाएं शामिल हैं। इसके अतिरिक्त उन्हें वैदिक ज्योतिष के क्षेत्र में 12 वर्षों का व्यावहारिक अनुभव है। प्राचीन संस्कृत साहित्य, आयुर्वेद तथा ज्योतिष उनके विशेष अध्ययन

एवं रुचि के विषय हैं।

'सम्यक् विचार' कृति की बात करें तो इसमें विभिन्न विषयों को लेकर जो विचार हैं उनका व्यवहारिक व वैज्ञानिक पक्ष झकझोरने वाला है। समझने और सोचने वालों के अलावा युवाओं को मार्गदर्शन वाला भी है। कृष्णमास कैसे बना क्रिसमस, वाहनों की भीड़, चिकित्सालय और स्वास्थ्य, सफाई अभियान और कचरा, वृद्धाश्रम अथवा वानप्रस्थाश्रम, व्यर्थ की बर्बादी, जाति व्यवस्था स्वाभाविक अथवा कृत्रिम, शब्द हत्या, ध्वनि विस्फोट, महिला अपराध अकर्मण्यता अर्थात् आवारगर्दी क्यों?, बचपन छीनती शिक्षा जैसे शीर्षकों से ज्ञानवर्द्धन जानकारीयों को दिया गया है। इसी प्रकार से अपने पैरों पर खड़ा होना, पर्यावरण संरक्षण का ढोंग, शराब बन्दी अर्थात् शराब महंगी, योग क्या है, फ्री फ्री और फ्री, पेपरलेस सिस्टम, गौशाला अर्थात् गायों की जेल जैसे शीर्षकों पर खरी-खरी बात डॉ. कोष्टा

ने रखी है।

परिवार व्यवस्था पर संकट, भारत को अमेरिका बनाना है क्या?, महिला भारत, पुरुष भारत, भीड़ एक आपदा जैसे शीर्षकों से समाज की चिन्ता को चाहिर किया गया है तो फ्री चिकित्सा कितनी आवश्यक, दुर्घटना का मूल कारण, हथियारों का कारोबार, कॉविड यात्रा, विदेशी शब्दों से घृणा क्यों, काम के घण्टे कितने हों, तीर्थस्थानों में भगदड़ क्यों, बुलडोजर न्याय, किसकी जय किसकी पराजय जैसे शीर्षकों से समाज के सच को उद्घाटित किया है।

लेखक ने बहुत साफ शब्दों में कहा है कि मेरे इन विचारों से किसी का सहमत होना आवश्यक नहीं है लेकिन जिन्होंने मेरे विचार पसन्द किए हैं उन्हें इन विचारों को प्रचार-प्रसार करना चाहिए। इस प्रकार हम पाते हैं कि डॉ. ओंकार नाथ कोष्टा हर प्रकार से जागृत करने का कार्य कर रहे हैं, ऐसे अभियान कभी थमते नहीं।

पिघलता हिमालय

जनप्रतिनिधि होने का मतलब

जनता की आवाज को उठाने वाले, जनता के दुःख दर्द को समझने वाले, समाज को न्याय दिलाने वाले, अपनी सामर्थ्य अनुसार समाज में दानपुण्य करने वाले को जनप्रतिनिधि कहा जाता है लेकिन वर्तमान के भेड़ियाधर्मसम में जनप्रतिनिधि को वह ताकत मान लिया गया है जिसके साथ दबंगों की टोली हो, जिसके पास धनबल हो, जिसकी कारगुजारियों पर कोई आवाज न उठाए। ऐसा नेता अपनी मनमर्जी करते हुए अराजकता का माहौल बनाता है और समाज में अन्याय होने लगता है। ऐसे नेता अपनी ताकत बनाये रखने और अपनी ताकत को बढ़ाने के लिये निरन्तर करतूत करते रहते हैं।

उत्तराखण्ड जैसे शान्तिप्रिय प्रदेश में जिस प्रकार से ताकत बटोर शक्ति प्रदर्शन करने वाले नेताओं का दबदबा बढ़ता जा रहा है वह आने वाले समय के लिये कतई शुभ नहीं कहा जाएगा। पहाड़ से लेकर मैदान तक जिस प्रकार से छुटभैये बांहे समेट कर उच्छ्वलता करने लगे हैं और बात-बात पर पार्टी संगठनों का नाम लेकर नेता बवाल करते हैं, वह सब अराजकता की चरम स्थिति है। इनसे ऊपर जनप्रतिनिधि आते हैं, जो अपने और अपने पोषितों के पक्ष में इतने ज्यादा उत्तेजित दिखाई देते हैं कि उनकी पद-प्रतिष्ठा पर सबाल उठना लाजमी है। विधायक, मंत्री, दर्जामंत्री, संगठन के प्रमुख पदों पर बैठने वालों का चाल चलन और बातलाप आम जनता को सीख देने वाला होता है। वह जिस प्रकार का व्यवहार करते हैं, उन्हें घेरे हुए और उनके मानने वाले भी उसी अनुरूप दिखाई देते हैं। ऐसे में बहुत जरूरी है कि जनप्रतिनिधि पद के अनुरूप आचरण करें। पक्ष हो या विपक्ष चीखना-चिल्लाना समस्या का समाधान नहीं है, अपनी बात को सौम्यता से रखना चाहिये।

पिछले कुछ समय से बदमिजाज और बदचलन का प्रतिशत बढ़ता जा रहा है। इसके पीछे भी जनप्रतिनिधियों की देन है। आखिर मुखिया की भूमिका कैसी होनी चाहिये, हमारा मुखिया कैसा हो, इस बात पर विचार करते हुए आम जनता को अपने मतों का प्रयोग करना चाहिये। यदि जन प्रतिनिधि के नाम पर उच्छ्वलों को मिला तो वातावरण दूषित होगा ही।

देश-विदेश की प्रमुख घटनाएं

इमरान की बहन अलीसा गिर

इस्लामाबाद। जेल में बन्द पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की बहन अलीसा खान को उनके लाहौर स्थित घर से गिरफ्तार किया गया है। वह पार्टी तहरीक एक इस्फाफ के कार्यकर्ताओं के साथ इमरान की रिहाई को लेकर विरोध प्रदर्शन कर रही थीं। इसके अलावा इमरान की दो और बहनों को पुलिस ने तीस दिनों के लिए गिरफ्तार किया है।

समान व्यवस्था की जरूरत : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। आदलत में किसी डिक्री या मध्यस्थता अवाई की रकम जमा कर देना अपने आप में भुगतान नहीं माना जा सकता। रकम तभी भुगतान या डिक्री की सन्तुष्टि मानी जाएगी, जब वह सम्बन्धित पक्ष को बिना शर्त उपलब्ध हो और वह उसे निकाल सके। सुप्रीम कोर्ट ने इसके लिये विधि आयोग से व्यापक कानूनी ढांचे तैयार करने पर विचार करने के लिये कहा है।

आत्मसम्मान से समझौता किया : शरीफ

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रध ड़ा है। साथ ही आत्मसम्मान की कीमत पर समझौता करना पड़ा।

ट्रम्प की लाइव कवरेज रोकती

न्यूयार्क। अमेरिका के बड़े टीवी चैनलों ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के कार्यक्रमों की साप्ताहिक लाइव कवरेज रोक दी है। यह फैसला व्हाइट हाउस की ओर से उठत, टर डडह और पॉलिटिको के पत्रकारों पर बैन के बाद लिया गया। फॉक्स न्यूज ने वॉशिंगटन ब्यूरो चीफ ब्रायन बॉटन ने बताया कि इस व्यवस्था के तहत आने वाले राष्ट्रपति कार्यक्रमों की वीडियो कवरेज नहीं की जाएगी।

पार्टी में हंगामा, ग्यारह की मौत

केप टाउन। दक्षिण अफ्रिका में एक घर में पार्टी के दौरान तीन हमलावरों ने गोलीबारी कर 11 लोगों की हत्या कर दी। डरबन शहर से करीब 30 किमी दक्षिण में स्थित क्वामाखुथा टाउनशिप में इस घटना में एक महिला की भी मृत्यु हुई जो गर्भवती थी।

मक्का समझौता, नोमान नियुक्त

नई दिल्ली। पाकिस्तान के सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल नोमान महमूद को पाकिस्तान, सऊदी अरब और तुर्किये के बीच हुए मक्का रक्षा समझौते का पहला महासचिव नियुक्त किया गया है। समझौते के तहत किसी एक सदस्य देश पर होने वाले हमले को तीनों देशों पर हमला माना जाएगा।



फसक

दाज्यू, चोरी-चकारी तो मनमाफिक होने वाली ठैरी हाथ-थुट ताणकर जम्हाई लेने में मजा आता है बल

दाज्यू, पिथौरागढ़ में एड्स मरीजों की संख्या 400 पार की बात कही जा रही है, हमें चिन्ता होने लगी है कि एड्स सरकार कर हमारे ग्राम न पहुँच जाए। 'भूत-पिचस निकट नहीं आवे, महावीर जब नाम सुनावे' रटते-रटते सौर घाटी पार कर गंगोली में प्रवेश किया। तभी पता चला कि विधायक उमेश कुमार के यूपी स्थित फार्म हाउस में निरीक्षक और दारोगा ने सामुहिक दुष्कर्म कर डाला है। दाज्यू, खानपुर विधायक उमेश का अमरौहा में फार्म हाउस को लेकर पहले पता नहीं था, अब बेशुमार चर्चा होने लगी है। उधर शिमला में होटल कारोबारी महिला के वहाँ से करोड़ों के आभूषण व नकदी चोरी कर साथियों के साथ नेपाल भाग रही युवती से बरामद माल का आधा हिस्सा आबकारी विभाग के कर्मियों ने हड़प लिया। मामले में आबकारी दारोगा समेत चार गिरफ्तारी हुई और निलम्बित भी हुए हैं। दाज्यू, चोरी-चकारी तो मन माफिक होने वाली ठैरी। यह बात अलग है कि कौन पकड़ा जाएगा और कौन किनारे लग जाता है। वैसे भी जिन्दगी में आरामतन्वी के लिये बहुत चोरी-चकारी होती रही हैं। हाथ-थुट ताणकर जम्हाई लेने में मजा आता है बल।

दाज्यू, प्रान्तीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मण्डल की रानीखेत नगर कार्यकारिणी को लेकर पिछले वर्ष सामने आए वित्तीय अनियमितता के आरोपों पर क्लीन चिट मिल गई है बल। व्यापार मण्डल भी ताकतवर संगठन होने वाला ठैरा। फिर अपने वर्मा ज्यू तो आजकल दर्जा मंत्री हैं। मामले उलझे हों या सुलझे, जहाँ हमारे

वर्मा ज्यू हैं उलझन नहीं होती है। दाज्यू, यही सब तो जमाने में होना चाहिये। बांकी क्या रखा है दुनियादारी पहिये की तरह घूम रही है।

देहरादून के क्लेमेन्टाइन के सुभाष नगर में पति ने शक होने पर पत्नी के सिर पर गोली मारकर हत्या कर दी। इसी प्रकार बिजनौर में भी अवैध सम्बन्धों की कहानी पर अथेड की हत्या हो गई, जिसमें एक दम्पति की गिरफ्तारी हुई है। हरिद्वार के रोशनाबाद जिला कारागार के वरिष्ठ अधीक्षक मनोज आर्य को कुख्यात गैंगेस्ट लारेंस बिश्नोई के नाम से धमकी देने वाले आरोपित को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। वह जेल में बन्द पत्नी को नियमों को लेकर रोक-टोक करने पर धमकी दे रहा था बल। दाज्यू, हाथ-खुट तण्ठण करने के लिये रोकटोक कौन पसन्द करेगा? बाबा रामदेव कह रहे हैं- 'पतंजलि के उत्पादों में मिलावट मिले तो मुझे फांसी दे दें।' दाज्यू, पूर्व सांसद बुजभूषण के आरोपों के बाद बाबा रामदेव ने नई दिल्ली में पत्रकारों से बातचीत की।

दाज्यू, भवाली-अल्मोड़ा रोड पर कैंची धाम में भीड़भाड़ का असर कमर तोड़ने वाला हो चुका है। रछु ने आजकल स्कूल जाना बन्द कर दिया है। वह कह रहा है- 'पिकवर देखने के बाद उसका मन हनुमान में लग चुका है। अब नाचने अनियमितता के आरोपों पर क्लीन चिट मिल गई है बल। व्यापार मण्डल भी ताकतवर संगठन होने वाला ठैरा। फिर अपने वर्मा ज्यू तो आजकल दर्जा मंत्री हैं। मामले उलझे हों या सुलझे, जहाँ हमारे

किच्छा में विधायक तिलकराज बेहड़ और पूर्व विधायक राजेश शुक्ला के बीच फोड़ाफोड़ से अनुमान लगाना आसान है कि आगामी विधानसभा चुनाव कितने बवाल वाले होंगे। क्या जो कहें? बड़े लोग ठैरे। विधानसभा किच्छा में चल रहे नगर पालिका चुनावी माहौल में स्टूंग रूम की सुरक्षा को लेकर कांग्रेस के बेहड़ और भाजपा के शुक्ला भरभराट करने लगे। थोड़ी देर में दोनों नेताओं की डड़ाडाड़ का वीडियो सोशल मीडिया पर चलने लगा। दाज्यू, टनकपुर में टैक्सी युनियन अध्यक्ष मदन कुमार ने कथित वसूली को लेकर डीएम से शिकायत की है। पूर्णागिरी की कृपा से क्याप का क्याप हो रहा ठैरा कहा। एमबीबीएस दाखिले में फर्जीवाड़ा मामले में चैयरमैन समेत 6 गिरफ्तार हो चुके हैं। बाजपुर में 9 लोगों के खिलाफ फजी कागजात बनाने का आरोप है।

बागेश्वर में यूथ कांग्रेस के प्रदेश महासचिव भीम कुमार के विरुद्ध नाबालिक से छेड़छाड़ के आरोप में पाक्सो एक्ट में मामला दर्ज हुआ है। दाज्यू, दोनों पक्षों की ओर से हुई रिपोर्ट में जाँच चल रही है बल। यहाँ भराड़ी टैक्सी स्टैंड ठाकुरद्वारा वार्ड क्षेत्र में पति पत्नी के बीच मकान को लेकर चले लट्टम-लट्ट से हंगामा हो गया। पुलिस ने ये मामला भी देखना है। खाद्य मंत्री रेखा आर्या कह रही हैं- 'इस साल सात लाख मीट्रिक टन धान खरीद का अक्षय है।' दाज्यू, सब कुल कुशलपूर्वक होता रहे। भगवान सबकी भली करें।

-तुम्हारा भुली झकरवा

यात्रियों, व्यापारियों...

प्रथम पृष्ठ का शेष
कि बुर्फू से मौसम अनुसार माइग्रेशन पर परिवारों का आना जाना होता था। तब गर्म चाटियों के चयन में ससखेत में रहने लगे। सुना है हमारे दादा किशन सिंह जंगपांगी तिब्बत व्यापार में अग्रणी रहते थे। पिता प्रमग सिंह जंगपांगी भी इसी परम्परा में बुर्फू से तिब्बत व्यापार जाते रहे, जो बाद में अल्मोड़ा आ गये। अपने बचपन को याद करते हुए मदन सिंह बताते हैं कि तब एनटीडी में 10-12 परिवार थे और पढ़ने के लिये रैमजे कालेज विख्यात था। यहाँ के पुराने परिवारों में कुन्दन सिंह रावत जी के परिवार का

प्रयोजन बदला तो

नैनीताल। भू कानून के तहत प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए निर्धारित प्रयोजन के विपरीत भूमि का उपयोग करने के 7 मामलों में न्यायालय उपजलाधिकारी

खूब नाम है। कमाण्डर ज्योति सिंह रावत इसी परिवार के सदस्य थे।

मदन सिंह जी शिक्षा के बाद सीधे नौकरी पर रह रहे लेकिन तत्कालीन व्यवस्थाओं और व्यवहार को उन्होंने नजदीक से देखा है। वह बताते हैं कि तिब्बत व्यापार के अलावा अल्मोड़ा में भी व्यापार के सिलसिले में उनके बुजुर्ग आये थे और एनटीडी का माहौल केंद्र के रूप में बन चुका था। अल्मोड़ा आज भी सांस्कृतिक नगरी के रूप में विख्यात है और इसमें आने वाले सभी लोगों ने अपने रास्ते बनाये। वर्तमान की बुनियाद उस दौर के लोग हैं जिन्होंने अथक श्रम करते हुए अपने परिवार के अलावा दूसरों को सहारा दिया।

1.822 हेक्टेयर भूमि

नैनीताल ने कुल 1.822 हेक्टेयर यानी 91 नाली एक मुट्ठी भूमि राज्य सरकार में निहित करने के आदेश दिए हैं। डीएम के निर्देशन में ग्राम कमड़ा, पट्टी मल्ली

मुक्तेश्वर में बनेगा

पार्किंग प्लाजा

नैनीताल। भीमताल विधानसभा के प्रमुख पर्यटन एवं धार्मिक स्थल मुक्तेश्वर में पार्किंग समस्या के समाधान के लिये थाने के समीप 454.68 लाख रुपये की लागत से बनने वाले सरफेस पार्किंग एवं प्लाजा का कैबिनेट मंत्री राम सिंह कैड़ा ने भूमि पूजन कर निर्माण कार्य शुरू करवाया। पार्किंग और प्लाजा बनने से मुक्तेश्वर आने वाले पर्यटकों और स्थानीय लोगों को वाहनों की पार्किंग के लिये बेहतर सुविधा मिलने के साथ ही सड़क पर लगने वाले जाम से राहत मिलेगी।

सरकार में निहित

कुटौली और ग्राम शीतला में धार्मिक प्रयोजन के लिये खरीदी गई भूमि पर कोई धार्मिक गतिविधियां नहीं मिली। इसी तरह सतबूंगा में कृषि प्रयोजन नहीं था।

हिमालय**हवा-पानी का खजाना नहीं है 44.6 फीसदी वनस्पतियों की प्रजातियां के साथ उत्तराखण्ड****डॉ. हरीश चन्द्र अन्डोला**

भारतीय हिमालय को आमतौर पर बर्फाली चोटियों, रेंजियों और नदियों के उद्गम क्षेत्र के रूप में देखा जाता है लेकिन हिमालय की पहचान इन्हीं तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे कहीं ज्यादा है। हिमालय में मौजूद वनस्पतियां सदियों से स्थानीय और आदिवासी समुदायों के लिए भोजन, दवा, ईंधन, चारा, निर्माण सामग्री और धार्मिक-सांस्कृतिक जरूरतों का आधार रही हैं। भारतीय हिमालय की इसी जैव सांस्कृतिक विरासत पर वैज्ञानिकों ने महत्वपूर्ण अध्ययन किया है जिसमें चौंकाने वाले आंकड़े सामने आए हैं। खास बात ये है कि देश के सभी हिमालयी राज्यों के मुकाबले उत्तराखण्ड में सबसे ज्यादा 44.6 फीसदी उपयोगी प्रजातियां पाई गई हैं। बता दें कि भारतीय हिमालय में मनुष्यों की ओर से इस्तेमाल की जाने वाली 5,404 प्रजातियां दर्ज की गई हैं। इनमें पौधों के अलावा फंगी, लाइकेन और शैवाल भी शामिल हैं। अध्ययन के अनुसार, दर्ज 5,404 उपयोगी प्रजातियों में करीब 90 फीसदी एंजियोस्पर्म यानी पुष्पीय पौधे हैं। करीब 4.5 फीसदी प्रजातियां फंगी से सम्बन्धित हैं। जीवन-रूप के आधार पर 49.3 फीसदी प्रजातियां जड़ी-बूटियां हैं। इन प्रजातियों के सबसे ज्यादा इस्तेमाल चिकित्सा क्षेत्र में पाया गया है।

49 फीसदी प्रजातियों का मानव भोजन में हो रहा इस्तेमाल- मुख्य रूप से 96.

4 फीसदी प्रजातियां किसी न किसी औषधीय इस्तेमाल से जुड़ी हैं। जबकि 49 फीसदी प्रजातियों का इस्तेमाल मानव भोजन के लिए होता है। इसके अलावा 36.6 फीसदी प्रजातियों का इस्तेमाल सामग्री के रूप में पाया गया है। इतना ही नहीं कई प्रजातियों का इस्तेमाल एक साथ दवा, भोजन, चारा, ईंधन और धार्मिक-सांस्कृतिक जरूरतों के लिए किया जाता है। अध्ययन में पाया गया कि इन पौधों के अलग-अलग हिस्सों का उपयोग किया जा रहा है। सबसे ज्यादा इस्तेमाल पत्तियों का पाया गया। पौधों के हिस्सों के उपयोग के आंकड़ों पर गौर करें तो, सबसे ज्यादा 2,771 प्रजातियों के पत्तियों का इस्तेमाल किया जा रहा है। इसके अलावा 1,647 प्रजातियों के पूरे पौधे, 1488 प्रजातियों के तनों, 1411 प्रजातियों के जड़ों, 858 प्रजातियों का तना और 821 प्रजातियों के फूल का इस्तेमाल किया जा रहा है। औषधीय पौधों का मामला सिर्फ संरक्षण तक सीमित नहीं है। इनका दोहन एवं व्यापार, ग्रामीण अर्थव्यवस्था से भी जुड़ा है। अनुमानों के अनुसार, भारत में औषधीय पौधों के दोहन एवं उनका व्यापार, ग्रामीण अर्थव्यवस्था से सालाना करीब 3.5 करोड़ तक का है। ऊँचाई वाले गाँवों में इन गतिविधियों से परिवारों की आय का करीब 15 से 30 फीसदी हिस्सा जुड़े होने की सम्भावना है। ऐसे में संरक्षण और आजीविका को अलग-अलग करके देखना काफी मुश्किल है। रिपोर्ट

में इस बात को कहा गया है कि जिन-जिन औषधीय पौधों की डिमाण्ड बाजार में ज्यादा है, उसका दोहन ज्यादा होता है। जिससे इनकी प्राकृतिक आबादी घट सकती है। दोहन करने वालों की आय प्रभावित हो सकती है। पारम्परिक ज्ञान के ट्रांसफर पर असर पड़ सकता है। ग्रामीण युवाओं का पलायन बढ़ सकता है। स्थानीय अर्थव्यवस्था कमजोर हो सकती है। पौधों के साथ पारम्परिक ज्ञान भी संकट में आ सकता है। हिमालय में पौधों के उपयोग से जुड़ा ज्ञान लम्बे समय तक मौखिक परम्परा के जरिए एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक पहुँचता रहा है लेकिन आधुनिकीकरण, शहरों की ओर पलायन और युवा पीढ़ी का पारम्परिक जीवन पद्धतियों से दूर होना, इस ज्ञान-हस्तान्तरण को प्रभावित कर रहा है। जटिल और गम्भीर बीमारियों के उपचार से जुड़ा ज्ञान अक्सर कुछ अनुभवी वैद्यों या पारम्परिक उपचारकर्ताओं तक सीमित होता है। कई जगह ये ज्ञान सीमित शिष्य-परम्परा के जरिए आगे बढ़ता है। ऐसे में किसी एक अनुभवी ज्ञान-धारक की मृत्यु या सक्रिय जीवन से बाहर होने पर पूरी ज्ञान-शृंखला खत्म होने का खतरा रहता है। इसलिए संरक्षण की रणनीति में पौधों के साथ-साथ स्थानीय समुदायों, पारम्परिक उपचारकर्ताओं और उनके ज्ञान पर भी ध्यान देना जरूरी है। इसके अलावा उत्तराखण्ड में पहले से ही कहीं व्यापक शोध हो चुका है।

सीमा सम्बन्धी मुद्दों के अनुश्रवण हेतु त्रिस्तरीय निगरानी तंत्र के तहत 'इश्यूज एण्ड एक्शन कमेटी' गठित

चम्पावत। आयुक्त कुमाऊँ मण्डल, नैनीताल एवं उत्तराखण्ड शासन के निर्देशों के अनुक्रम में तथा गृह सचिव, भारत सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के तहत जनपद चम्पावत में सीमा सम्बन्धी मुद्दों के बेहतर समन्वय एवं त्रिस्तरीय निगरानी तंत्र के विकास हेतु स्टेज-1 के अन्तर्गत 'बाइर इश्यूज एण्ड एक्शन कमेटी' का गठन कर दिया गया है।

जिलाधिकारी मनीष कुमार के मार्गदर्शन में गठित इस उच्चस्तरीय समिति के अध्यक्ष स्वयं जिलाधिकारी चम्पावत होंगे जबकि पुलिस अधीक्षक को सह-अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इस समिति का मुख्य उद्देश्य सीमावर्ती क्षेत्रों की सुरक्षा, प्रशासनिक समन्वय तथा अंतर-विभागीय मुद्दों पर निरन्तर निगरानी बनाए रखना है।

समिति के व्यापक स्वरूप को ध्यान में रखते हुए इसमें जनपद के विभिन्न प्रमुख नागरिक, प्रशासनिक, सुरक्षा एवं राजस्व विभागों के अधिकारियों को सदस्य के रूप में शामिल किया गया है। मुख्य विकास अधिकारी, कमाण्डेंट 5वीं वाहिनी एसएसबी चम्पावत, कमाण्डेंट 57वीं वाहिनी एसएसबी सितारगंज, अधीक्षक आर्डीबी चम्पावत, मुख्य शिक्षा अधिकारी चम्पावत, जिला समाज कल्याण अधिकारी, जिला सूचना अधिकारी, आयकर अधिकारी खटीमा, सहायक आयुक्त राज्य कर टनकपुर, अधीक्षक सीजीएसटी खटीमा, उप निबंधक चम्पावत, अग्रणी बैंक प्रबन्धक चम्पावत, सहायक निबंधक सहकारी समितियां चम्पावत, कस्टम अधीक्षक बनबसा, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका/पंचायत

टनकपुर/बनबसा, उप महाप्रबन्धक बीएसएनएल पिथौरागढ़ तथा औषध निरीक्षक चम्पावत को समिति का सदस्य नामित किया गया है। जिलाधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि यह समिति जनपद स्तर पर सीमा सम्बन्धी सम्बेदनशील विषयों एवं विकास कार्यों की नियमित समीक्षा करेगी। इसके तहत समिति द्वारा प्रतिमाह नियमित बैठक का आयोजन किया जाएगा, जिसमें निर्धारित प्रारूप के अनुसार वांछित सूचनाएं एवं प्राप्ति रिपोर्ट शासन व उच्चाधिकारियों को प्रेषित की जाएंगी।

कृष्णापुर में मार्ग निर्माण

नैनीताल। सम्बेदनशील बलियानाला से लगे कष्णापुर क्षेत्र वासियों ने मार्ग निर्माण की मांग को लेकर तल्लीताल गांधी चौक में धरना प्रदर्शन किया। वक्ताओं ने कहा

कुविवि के कामर्स डीन व हेड प्रो.अतुल जोशी सेवानिवृत्त, विदाई समारोह में जुटे हर वर्ग के लोग

हल्द्वानी/नैनीताल। कुमाऊँ विश्वविद्यालय व अन्य पुरस्कारों से सम्मानित प्रो.जोशी के डीएसबी परिसर स्थित वाणिज्य संकाय के अध्यक्ष एवं विभागाध्यक्ष प्रो.अतुल जोशी के सेवानिवृत्त होने पर आयोजित विदाई समारोह में हर वर्ग के लोग जुटे और उनके सामाजिक योगदान पर चर्चा की। उल्लेखनीय है कि वर्ष 1987 से अपनी शैक्षणिक यात्रा पर डॉ.जोशी काशीपुर, रानीखेत पीजी कालेज और डीएसबी परिसर में 38 वर्षों की सेवा के अलावा हमेशा सामाजिक गतिविधियों में संलग्न रहे हैं। अकादमिक

को लेकर प्रदर्शन

कि वर्ष 2018 में बलियानाले में हुए भूखलन के बाद क्षेत्र के लोगों का मुख्य मार्ग बन्द हो गया है। बार-बार मार्ग निर्माण की मांग को लेकर जिला प्रशासन एवं जन प्रतिनिधियों को ज्ञापन देने के बावजूद भी मार्ग का निर्माण नहीं हो पाया है। 9 वर्ष से लोग इसी प्रकार परेशान हैं। 4 हजार की आबादी मुख्य सम्पर्क मार्ग न होने से परेशान हो चुकी है।

माँ चली गई चुपचाप

माँ! कर्म की मूरत माँ की सूरत घर गोठ से खेत और दूर जंगल तक अल सुबह से देर रात तक प्रतिबद्ध जुटने खपने और हंस हंस कर तिल तिल मिटने को जंगल पेड़ धुर धार गंधेरे वो पार की ऊँची धार गैले पातल नौले धारे उसके जीवन की सोंसें उसके जीने की ऊर्जा क्योंकि जी नहीं सकती वह इनके बिना घर परिवार की बलिबेदी पर न्यौछावर उसका सब कुछ बहू बेटे हुए अब आराम के दिन आए माँ चल दी छोड़ अपने पदचाप नहीं था आराम शायद उसकी किस्मत में इसीलिए वह चली गई घर गोठ खेत जंगल नौले धारे गैल पातल और गंधेरे सब कुछ यहीं छोड़ कर चुपचाप।

-रतन सिंह किरमोलिया

मिलम बेक हाउस (नियर- टैक्सी स्टैंड चौराहा) मुनस्यारी

सम्पर्क- 8941807388



पहाड़ों में तैयार, स्वाद से भरपूर। हिमालय की वादियों से आपके स्वाद तक। आपके लिये लेकर आया है ताजे स्वादिष्ट और गुणवत्तापूर्ण बेकरी उत्पाद।

डग्गामारी से केमू को नुकसान

बागेश्वर। कुमाऊँ मोटर ओनर्स यूनियन लि. (केमू) की बसों पर डग्गामारी से नुकसान हो रहा है। केमू के प्रबन्ध निदेशक हिमन्त सिंह नयाल का कहना है कि 1939 से केमू सुरक्षित परिवहन सेवा दे रही है लेकिन अब अवैध टैक्सियों का कब्जा और डग्गामारी के कारण नियमित बस सेवाएं घाटे में चल रही हैं। प्रशासन और आरटीओ से कई बार गुहार लगाई जा चुकी है लेकिन किसी भी प्रकार की कार्रवाई नहीं हो रही है।

घाघली नदी पर पैदल पुल की मांग

बागेश्वर। गरुड़ क्षेत्र छटिया और स्याली ग्रामसभा के बीच घाघली नदी पर पैदल पुल निर्माण की मांग के लिये ग्रामीणों ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। बीडीसी सदस्य छटिया प्रमोद जोश, प्रधान स्याली चन्दन फर्वाण, प्रधान ग्वाड़ पजेना मनोज कुमार ने कहा कि 30 वर्षों से पुल न बनने से बहुत बड़े आबादी के लोग परेशानी से जूझ रहे हैं।

बाघ शिफ्टिंग में कार्बेट से राजाजी

रामनगर। कार्बेट रिजर्व से राजाजी टाइगर रिजर्व के लिए बाघ शिफ्टिंग का दूसरा चरण जल्द शुरू होगा। भारतीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण से इसकी अनुमति मिलने के बाद कार्बेट प्रशासन ने इसके लिये तैयारी शुरू कर दी है। इसमें एक मेल और चार फीमेल समेत कुल 5 बाघों को कार्बेट से राजाजी टाइगर रिजर्व भेजा जाएगा।

दिल्ली-धरमघर

बस सेवा ठप

धरमघर। बागेश्वर डिपो में चालकों व परिचालकों की भारी कमी के कारण बस सेवाओं पर प्रभाव पड़ा है। दूरस्थ क्षेत्र के यात्रियों को बस सेवा न होने से परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इसी में है दिल्ली से धरमघर के लिये संचालित होने वाली रोडवेज की महत्वपूर्ण बस अब जिला मुख्यालय तक ही सिमट कर रह गई है।

काफलीगैर कालेज

को मंजूरी

बागेश्वर। काफलीगैर में महाविद्यालय की मांग को लेकर धरना प्रदर्शन के बाद शासन ने नवीन राजकीय महाविद्यालय की स्थापना को मंजूरी दे दी है। इसके संलाचन के लिये 18 पदों के सृजन हैं।

अर्धकुम्भ से पहले

सड़क-पुल काम

देहरादून। अर्धकुम्भ मेला 2027 से पहले हरिद्वार की सड़कों और पुलों को तैयार करने की समय सीमा तय कर दी गई है। लॉनिवि सचिव डा.पंकज कुमार पाण्डेय ने सम्बन्धित कार्यदायी संस्थाओं को दो निर्देश दिए कि मेला क्षेत्र में सभी कार्य समयसीमा पर गुणवत्ता के साथ पूरे किए जाएं।



परिक्रमा

फर्चैजक

गणेश पाण्डेय

नानतिन सरकार इस्कूलन में, कम होते जानी उरातार रै गई सब कुछ फिरी करिबेर, वां नानतिन द्वि या चार वां नानतिन द्वि या चार, प्राइमेट इस्कूलनकि चूण चुटे भरती करण में दोड़ा दौड़ भै, मै बाबनाक गई खुट पटे सरकारीक क्वे टोकरो न्हां, इस्कूल प्राइमेट खुलन में मूख फरकै क्वे न जान, नानतिन सरकारी इस्कूलन में।

नृत्यसम्राट की पुत्रवधू तनुश्री की प्रस्तुति

अल्मोड़ा। नृत्य सम्राट उदय शंकर की पुत्रवधू और प्रसिद्ध कलाकार 70 वर्षीय तनुश्री शंकर ने पहली बार अपनी टीम के साथ सांस्कृतिक नगरी अल्मोड़ा में प्रस्तुत दी।

उदयशंकर नाट्य अकादमी में

आयोजित सात दिवसीय रंगमंच एवं फिल्म निर्माण कार्यशाला के समापन पर पहुँची तनुश्री शंकर की मण्डली ने अपनी कला से दर्शकों का मन मोह लिया।

तनुश्री इससे पहले वर्ष 1975 में अपने पति स्व. आनन्द शंकर के साथ

पहली बार अल्मोड़ा आई थीं। इसके बाद अब वह दोबारा यहाँ पहुँचीं। अल्मोड़ा आकर उन्होंने अपनी पुरानी यादों का स्मरण किया और शहर में बदलाव देखकर हैरानी भी जताई। बताते चले उदय शंकर का अल्मोड़ा से लगाव रहा है।

आपदा प्रभावित कैचुआ के परिवारों को नाचनी में किराए के मकान मिलें

बागेश्वर। कपकोट ब्लाक के ग्राम पंचायत कालपैर-कापड़ी के तोक कैचुआ में आपदा प्रभावित परिवारों के सामने पुनर्वास और बच्चों की सुरक्षा की गम्भीर समस्या खड़ी हो गई है। आपदा प्रबन्धन के तय मानकों के तहत प्रभावितों को सरकारी भवनों और स्कूलों में विस्थापित करने का नियम है लेकिन व्यवहारिक कठिनाई के कारण ग्रामीण वहाँ रहने में असमर्थता जता रहे थे। नियमावली में प्रभावितों को किराये के मकान में रखने के लिए

सीधी वित्तीय सहायता का प्रावधान नहीं है। नियमों की अड़चन के बीच प्रभावित परिवारों को नाचनी बाजार में किराये के कमरों में शिफ्ट कराया गया है। इसके लिए कपकोट विधायक सुरेश गढ़िया ने अपने व्यक्तिगत स्तर से आर्थिक सहयोग दिया है।

विधायक श्री गढ़िया का कहना है कि कैचुआ में आपदा प्रभावित परिवारों के सामने छोटे-छोटे बच्चों की सुरक्षा और पढ़ाई को लेकर विषम परिस्थिति

बनी हुई थी। आपदा मानकों की व्यवस्था के लिए अलग से बजट का प्रावधान न होने के कारण यह समस्या आ रही थी। प्रभावितों को तत्काल राहत देने के लिए निजी स्तर से मदद कर उन्हें नाचनी में रुकवाया गया है।

इस बीच ग्रामीणों ने प्रशासन से कैचुआ क्षेत्र में रामगंगा नदी से होने वाली भू-कटाव को रोकने के लिए जल्द से जल्द सुरक्षा तटबन्ध का निर्माण शुरू कराने की मांग की है।

अपने पर लगे आरोप धोने के लिये हरदा कर रहे हैं हर उपाय

हल्द्वानी/देहरादून। पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत इन दिनों राजनीतिक मसलों में बेहद दौड़धूप कर रहे हैं। जबकि कुछ समय पहले वह अपने को चुनावी राजनीति से अलग करने की बात करते रहे थे लेकिन उनके मन में कुर्सी का मोह भी गुरुराता रहा है, जो साफ झलकता है। इस बीच जिस प्रकार से उनपर विपक्ष द्वारा आरोप लगाये गये और पुराने मामले को लेकर उनके नाम

को उछाला गया, हरदा पूरी तरह सक्रिय हो चुके हैं और उन्होंने अपने पर लगे आरोप धोने के लिये हर उपाय करने शुरू कर दिये हैं। उनका कहना है कि राज्य में कांग्रेस भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ रही है। भाजपा अपनी बौखलाहट के साथ मेरे मुख्यमंत्री रहते तत्कालीन पीए के घर में ईडी भेज चुकी है। चन्दन सिंह जीना अपना मामला देखेंगे लेकिन जिस प्रकार से मुझपर आरोप लगाते हुए

मेरी राजनीतिक जीवन की ईमानदारी पर आघात किया जा रहा है वह सहन नहीं होगा। मैं इस आरोप के साथ मरूँ यह स्वीकार नहीं, मैं इससे मुक्त होकर ही चैन ले सकता हूँ।

इस बीच हरदा ने अपने सम्पर्क के साथियों सहित पार्टी कार्यकर्ताओं से भेंट की और कहा हमने 60 साल पहले कांग्रेस का झण्डा थामा था, उसी झण्डे से लिपटकर जाना चाहेंगे।

विधायक उमेश शर्मा को लेकर सवाल

देहरादून। खानपुर के निर्दलीय विधायक उमेश शर्मा हमेशा से चर्चित रहे हैं लेकिन इन दिनों में उनको लेकर ज्यादा ही सवाल उठ रहे हैं। विधायक के यूपी में हसनपुर क्षेत्र स्थित फार्म हाउस में हुए सामूहिक दुष्कर्म मामले में आरोपी पुलिस की पकड़ में हैं लेकिन विधायक

के फार्म हाउस में यह सब कैसे हुआ, इस बात को लेकर सवाल उठ रहे हैं। पूर्व विधायक प्रणव चैम्पियन ने विधायक उमेश को लेकर फिर से आरोप लगाते हुए उनकी जांच की मांग की है। ऑनलाइन चर्चा में रहने वाली नेता भावना पाण्डे ने भी उमेश को लेकर तमाम तरह

के आरोप लगाए हैं। आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए उमेश शर्मा जिस प्रकार से घिर चुके हैं वह भी सवाल दर सवाल है। जबकि विधायक उमेश अपनी सफाई में बार-बार कह रहे हैं उन्हें फार्म हाउस वाली घटना का कुछ पता नहीं है, जांच में सब पता चल जाएगा।

माइग्रेशन ग्रामों की सुध ली जाए

मुनस्वारी। जोहार सीमान्त क्षेत्र भारत तिब्बत चीन सीमा के नजदीक निवास करने वाले 14 राजस्व जनजाति बाहुल्य गांव में निवास करने वाले जो 6 महीने के लिए माइग्रेशन में जाते हैं, वे लोग अब अपनी नीचे छाटियों में निवास करने की तैयारी कर रहे हैं। अपनी भेड़

बकरियों के साथ बकरवाल लोग आ रहे हैं लेकिन उनकी सुध लेने वाला कोई नहीं है। मल्ला जोहार विकास समिति ने शासन-प्रशासन से इस गम्भीर मामले को परखने और सुविधाओं की मांग की है। समिति के अध्यक्ष श्रीरामसिंह धर्मशंकर ने बताया कि इस सम्बन्ध में बॉर्डर रोड

ऑर्गेनाइजेशन अधिकारी दरकोट से बातचीत की थी और उन्होंने आशवासन भी दिया मार्ग सहित किसी भी प्रकार की दिक्कत नहीं होगी लेकिन समस्याएं बरकरार हैं। आश्चर्य होता है कि सीमान्त क्षेत्र की अनदेखी करते हुए शासन-प्रशासन सौतेला व्यवहार कर रहा है।

राजा आनन्द सिंह की जयन्ती पर नमन

अल्मोड़ा। चन्द वंशीय अन्तिम राजा आनन्द सिंह की 140वीं जयन्ती पर उन्हें याद किया गया। मुख्य माल के समीपवर्ती ड्यूटीपोखर में उनकी मूर्ति पर माल्यार्पण करते श्रद्धासुमन अर्पित किये गये। राज पुरोहित पं. नागेश चन्द्र पन्त ने राजा आनन्द सिंह के व्यक्तित्व को रेखांकित किया। इस अवसर पर चन्द वंशज युवराज नन्द चन्द, मेयर अश्वय वर्मा, पूर्व पालिकाध्यक्ष प्रकाश जोशी, आनन्द सिंह बागडवाल आदि थे।

जिला पंचायत

सदन पर हंगामा

अल्मोड़ा। जिला पंचायत बोर्ड बैठक में बजट आवंटन के मुद्दे पर हंगामा हुआ। कुछ सदस्यों ने अपने-अपने क्षेत्रों में विकास कार्यों के लिये अपेक्षा अनुरूप बजट नहीं मिलने पर भेदभाव का आरोप लगाया। हंगामा बढ़ता देख जिला पंचायत अध्यक्ष हेमा गैड़ा सदन से चली गईं।

प्रो.रीतेश कुविवि के

कुलसचिव बने

नैनीताल। कुमाऊँ विश्वविद्यालय के आचार्य प्रो.रीतेश सह के विवि का कुलसचिव नियुक्त किया गया है। विवि प्रशासन, शैक्षणिक नेतृत्व, शोध एवं संस्थागत विकास के क्षेत्र में उनके अनुभव को देखते हुए उनकी नियुक्ति महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

कर्णप्रयाग में

कंबोडिया यात्री दल

कर्णप्रयाग। बदरीनाथ धाम की यात्रा पर आए कम्बोडिया के 28 सदस्यीय श्रद्धालु दल ने कर्णप्रयाग पहुँचकर यहाँ के पौराणिक तीर्थ स्थलों का दर्शन किया। उन्होंने अलकनन्दा-पिण्डर के संगम पर आयोजित गंगा आरती में भी भाग लिया।

शुभम माउंट रियो

परगिल चोटी पर

कोटद्वार। मवाकोट निवासी शुभम रावत ने हिमाचल प्रदेश की तिब्बत सीमा पर सबसे ऊँची चोटी 6759 मीटर माउण्ट रियो परगिल को फतह किया है। शुभम ने बेहद कठिन मौसम बर्बाद रातों के बीच यह सफलता पाई। इससे पूर्व भी वह गढ़वाल के चौखम्बा और बन्दरपूछ जैसी पहाड़ियों पर चढ़ाई चढ़ चुके हैं।

देवभूमि कल्चरल

फेस्टिवल विवाद

देहरादून। बदरीनाथ धाम में आयोजित देवभूमि कल्चरल फेस्टिवल विवाद फैला हुआ है। अब भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व केन्द्रीय मंत्री डॉ.मुरली मनोहर जोशी ने भी नाराजगी जताते हुए कहा है कि बदरीनाथ में संगीत समारोह की अनुमति प्रदान करना न केवल सांस्कृतिक मर्यादाओं का उल्लंघन है अपितु धाम की पवित्रता पर भी सीधा आघात है। कहा कि शंकराचार्य ने इस धाम की स्थापना हिमालयी पर्यावरण में शान्तिपूर्ण तरीके से भगवत भजन के लिये की थी।

छात्र संघ चुनाव के बहाने अपनी ताकत दिखाना चाहते थे नेता

- खूब चले लात घूसे
- धमकाया भी गया
- दबाव की राजनीति

उत्तराखण्ड में छात्र संघ चुनाव में इस बार नया अध्याय शुरू हो गया जब शिक्षा की बुनियादी बातों पर चर्चा छोड़ रिझाने-लुभाने पर जोर था। दरअसल आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए छात्रों के चुनाव में बड़ों का कुदना सीधा हस्तक्षेप रहा। चुनाव में प्रत्याशियों के माता-पिता सहित रिश्तेदार सड़क पर उतरे। जिन चुनावों की सीमा सिर्फ कालेजों तक तक होती है, उन्हें पूरे बाजार पर प्रदर्शन बनाया गया और जगह-जगह झगड़े-फसाद भी हुए। चुनाव अभियान के दौरान धमकाने, दबाव डालने की बातें लगातार होती रहीं।

प्रदेश में हुए छात्र संघ चुनाव के बहाने नेतागण अपनी ताकत की दिखाना चाहते थे। मंत्री, विधायक, नगर पालिका चैयरमैन, जिला पंचायत के प्रमुख सहित सदस्य, सभासद, पार्टियों संगठनों से जुड़े छुटपुट नेतागण सभी अपने चहेते प्रत्याशी के लिये जोर लगाते रहे। इन सबके साथ साथ ठेकेदार, खनन से जुड़े कारोबारी व अन्य भी जितनी उत्सुकता से दांव खेल रहे थे वह सब 'चुनाव खेल' का नया चेहरा दिखा रहा है। माना जा रहा है कि आने वाले विधानसभा चुनाव की बुनियाद खुद चुकी है। अपने-अपने इलाके में अपने चहेतों को छात्र संघ में जिताने के लिये जितनी भिड़ंत इस बार हुई है वह पुराने सारे रिकार्ड तोड़ चुकी।

इसकी शुरुआत अभावित व एनएसयूआई से टिकट दावेदारी के साथ हो चुकी थी और चुनाव लड़ने की जिद पर छात्र के गुटों की लड़ाई-भिड़ई हुई। इस बीच पहाड़ के छोटे-छोटे महाविद्यालयों में निर्विरोध चुनाव सम्पन्न करवाने पर कालेज प्रशासन ने राहत ली। इन जगहों पर भी देखा गया कि छात्र संघ को

अपने रंग में रंगने के लिये भाजपा-कांग्रेस का जोर चलता रहा। छात्रों की राजनीति का यह पूरा दारोमदार अब विधानसभा चुनाव में पटकथा के तौर पर भी देखा जा रहा है। लड़-भिड़ चुके छात्र नेता अपना गुस्सा विधानसभा चुनाव में दिखा सकते हैं क्योंकि राजनीति में ब्याज समेत वसूलने का नियम है।

हल्द्वानी में छात्रों चुनाव पर जमकर हुड़दंग हुआ। बिना अनुमति शक्ति प्रदर्शन करने व रैली पर पुलिस ने 500 छात्रों पर प्राथमिकी दर्ज की। एमबीपीजी कालेज में भारी हंगामे के बीच आर्यन बेलवाल अध्यक्ष चुने गये। एबीवीपी कार्यकर्ताओं को पुलिस ने लठिया कर खदेड़ा। हल्द्वानी के महिला कालेज में निर्विरोध विजेता पैलन ने एमबीपीजी कालेज में एबीवीपी के बागी आर्यन बेलवाल को खुला समर्थन किया था। नैनीताल डीएसबी कैम्पस में निरदलीय भानुप्रताप चौहान ने जीत दर्ज की। राधेहरि कालेज काशीपुर में गुरजिन्दर बाबी निर्वाचित हुए और पराजित कुलदीप ने धांधली का आरोप लगाया। बाजपुर डिग्री कालेज में दो पक्षों की मारपीट के बाद दिग्गज नेताओं की बहस देखी गई। रामनगर डिग्री कालेज में एबीवीपी के बागी नीरज कण्डारी अध्यक्ष बने। उन्होंने एनएसयूआई के सूरज रावत को 5 वोट से हराया। खटीमा कालेज में भारी हंगामा मचा जिसमें विधायक भुवन कापड़ी तक के साथ पुलिस का विवाद हुआ। देहरादून डीएवी कालेज में मेज-कुर्सी पलट कर हल्ला मचा। डोईवाला में यूकेडी की यूएसएफ का दबदबा रहा।

बागेश्वर कैम्पस में एनएसयूआई के राहुल कुमार का नामांकन रद्द होने पर खूब बवाल मचा। आरोप लगाया गया है कि कैम्पस डायरेक्टर पर ऐसा दबाव डाला कि नामांकन रद्द कर बीजेपी के लोगो को अध्यक्ष घोषित किया। पक्ष विपक्ष में नेता अभी तक भिड़ रहे हैं। कपकोट डिग्री कालेज में भी चुनाव झगड़ा कम नहीं हुआ। एनएसयूआई और एबीवीपी

- मंत्री, विधायक, चैयरमैन, जिपं प्रमुख सहित सभी चेहरे सामने
- प्रत्याशियों के माता-पिता सहित रिश्तेदार भी सड़क पर उतरे
- शिक्षा की बुनियादी बात छोड़ रिझाने-लुभाने की परम्परा शुरू
- आने वाले विधानसभा चुनाव के लिये बुनियाद खुद चुकी है

द्वारा एक-दूसरे पर गुण्डागर्दी के आरोप लगाये गये हैं। इस कालेज में एनएसयूआई समर्थित प्रत्याशी विजयी रहे। काण्डा कालेज में एनएस यूआई का पैलन निर्विरोध जीत गया।

चौखुटिया डिग्री काले में यूकेडी की छात्र इकाई यूएसएफ ने पूरे पैलन पर निर्विरोध जीत दर्ज कर इतिहास रचा। भतरौजखान कालेज में छात्रसंघ अध्यक्ष पद की दावेदार वैशाली कड़ाकोटी को जाँच के नाम पर रोका गया। इस पक्ष ने आरोप लगाया कि विधायक के दबाव में कालेज प्रशासन ने निष्पक्ष जाँच नहीं की और हंगामा हुआ। गरुड़ कालेज में एक महिला प्रत्याशी पर दबाव बनाने और नाम वापस लेने को मजबूर करने

पर हंगामा मचता रहा। दन्या डिग्री कालेज में एबीवीपी प्रत्याशी निर्विरोध जीत गये। जैती में भी निर्विरोध चुनाव हुआ। चौखुटिया में भी निर्विरोध चुनाव रहा। लोहाघाट में एबीवीपी एकतरफा जीती जबकि चम्पावत में चम्पावत में एनएसयूआई का जोर रहा। टनकपुर कालेज में एनएसयूआई दमदार जीती, एबीवीपी ने हंगामा किया। बनबसा में एबीवीपी एकतरफा जीती। गंगोलीहाट कालेज में निरदलीय प्रत्याशी हिमांशु एकतरफा जीते। चम्पावत कालेज में निरदलीय भानुप्रताप तड़ागी का जलवा रहा।

गोपेश्वर पीजी कालेज में एनएसयूआई के किशन बर्तवाल के दाखिले को अवैध बताते हुए एबीवीपी ने जमकर हंगामा

किया। यमेश्वर के बिथ्याणी डिग्री कालेज में एबीवीपी के प्रत्याशियों का निर्विरोध चयन हो गया। कोटाबाग महाविद्यालय में सभी निर्विरोध चुनाव जीते और एबीवीपी पर जबरदस्ती अपना पटका गले में डालने पर गुस्सा दिखाया।

गढ़वाल विश्वविद्यालय श्रीनगर में तो भाजपा पार्षद के बेटे हिमांशु भण्डारी ने ही एबीवीपी के प्रत्याशी को पराजित किया। चकराता डिग्री कालेज में एनएसयूआई का पूरा पैलन निर्विरोध जीता।

मसूरी के एमपीजी कालेज में जबर्दस्त हंगामा हुआ। जाँच में एबीवीपी के सचिव व कोषाध्यक्ष पद के नामांकन निरस्त होने पर हंगामा होने लगा दूसरी ओर अन्य छात्र संगठन भी प्रदर्शन करते रहे।



(2 अक्टूबर, 1869 - 30 जनवरी, 1948)

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी

को उनकी जयंती पर

शत शत नमन

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड द्वारा जनहित में जारी

www.uttarainformation.gov.in | uttarakhandDIPR | DIPR_UK | uttarakhand DIPR

सुरेश मेडिकल स्टोर

नियर- टैक्सी स्टैंड
मदकोट रोड
मुनस्यारी

मो.- 8077929044, 9756822576

HIMALAYAN

MUNSYARI STORE

**Johar Nagar, Bhotia Padav,
Haldwani**

(एक छत के नीचे अपने हस्तशिल्प, कुटीर उद्योग
के उत्पादों का विश्वसनीय प्रतिष्ठान)

मो.- 8755116161. 84779321316 वीरेन्द्र सिंह मपवाल

चुनाव के लिये पार्टियों का एक्शन

- माहौल देखते हुए भाजपा ने दुष्यन्त गौतम को किनारे किया
- यूकेडी के नाम पर तोड़फोड़ के अलावा धार देने का काम जारी
- तराई में नेताओं का प्लान तय और मरो-मारो पर उतर आए हैं
- पहाड़ की सीटें भी सम्बेदनशीलता, प्रशासन के सामने चुनौती

विधानसभा चुनाव के लिये राजनीतिक पार्टियों का एक्शन शुरू हो चुका है। उत्तराखण्ड में किन हालातों में कैसा हो सकता है, यह समझते हुए पार्टियां अपनी तैयारी करने लगी हैं। किस नेता का चेहरा दिखाकर जनता नाराज हो सकती है और किसको आगे कर राहत मिलेगी। इसके अलावा चुनाव से पहले बन चुके माहौल में जो दिखाई दे रहा है वह शुभ संकेत नहीं है। तराई में नेताओं का प्लान तय दिख रहा है और मरो-मारो पर उतर आए हैं। पहाड़ की सीटें भी सम्बेदनशील दिखाई दे रही हैं, जो प्रशासन के सामने चुनौती हैं। चुनाव को लेकर सोशल मीडिया में अलग-अलग दावे किये जा रहे हैं। किसी में भाजपा तो किसी में कांग्रेस की जीत की बात हो रही है। यह भी कहा जा रहा है कि यह सब प्रायोजित प्रचार का फण्डा हो सकता है।

पार्टियों की बात करें तो भाजपा के पास सत्ता की ताकत है। कांग्रेस इस बार आपसी लड़ाई की गलती से बचते हुए सत्ता पर कब्जा चाहती है। यूकेडी के नाम पर तोड़फोड़ के अलावा धार देने का काम जारी है। क्षेत्रीय मुद्दों को लेकर लगातार लड़ रही ताकतों में युवा ताकत भी है जो यूकेडी से जुड़ी है परन्तु

➤ चुनाव को लेकर सर्वे में अलग-अलग दावे
➤ प्रायोजित प्रचार का फण्डा भी हो सकता है

आपसी तनातनी से दल में मची तोड़फोड़ इसे कमजोर करती रही है। इस बीच यूकेडी के नाम पर चुनाव मैदान में कूद रहे कद्दावर नेता मंथन कर रहे हैं कि आपसी लड़ाई के नुकसान से बचते हुए चुनाव जीतने पर ध्यान लगाया जाए।

भाजपा ने विधानसभा चुनाव से पहले दुष्यन्त गौतम को हटाकर राम माधव को प्रवेश प्रभारी बनाया है। सहप्रभारी का जिम्मा अरविन्द मेनन और बांसुरी स्वराज को सौंपा है। दुष्यन्त गौतम को लेकर जिस प्रकार का गुस्सा आम उत्तराखण्ड में दिखाई देता रहा है, उसे समझते हुए साथ ही युवाओं को साधने के लिये पार्टी ने यह सब तैयारी की है।

कांग्रेस के दिग्गज और पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत पूरी तरह से बदलाव की बात करते हुए दौड़भाग कर रहे हैं लेकिन उनके मन की मन में ही है। वह हरिद्वार से चुनाव लड़ने की इच्छा तो जता चुके

हैं। रामनगर में पूर्व विधायक रणजीत सिंह रावत पूरी तरह सक्रिय हैं। विधान सभा क्षेत्र में व्यापक जनसम्पर्क अभियान को लेकर ब्लाक, नगर एवं मालधन कांग्रेस कमिटी पदाधिकारियों की बैठक भी हुई। जिसमें संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने पर विचार किया गया।

तराई में चल रही दादागिरी बता रही है कि चुनाव कितने सम्बेदनशील होंगे। किच्छा में नगर पालिका चुनाव में मंचे बवाल में कांग्रेस विधायक तिलकराज बेहड़ और भाजपा के पूर्व विधायक राजेश शुक्ल के बीच हुई गहमागहमी और दोनों को पुलिस द्वारा हिरासत में लेने सहित इनके आंसू बहाते वायरल हुए वीडियो के बाद से तनाव है। विधायक बेहड़ को थपड़ मारने वाले पूर्व विधायक राजेश शुक्ल के करीबी धीरज कुमार को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। इस मुद्दे को लेकर विपक्ष प्रदर्शन करते हुए कह रहा है कि सरकार ने अराधियों को संरक्षण दे रखा है।

विधानसभा चुनाव में मतदाता किस ओर रुख करेंगे इसका इसका अनुमान तो अभी अपने अनुसार लगाया जा रहा है, तिथि घोषित होते ही दृश्य साफ दिखेगा।

Hotel

Bala Paradise Tiksain, Munsiri

Ph. 0596122237, 9412951678

धमोत होम स्टे

धरमघर/चौकोड़ी

(एडवेंचर जोन, ट्रेकिंग, माउंटन वाइकिंग, स्थानीय व्यंजन)

मो. 9760007148 www.mountainheights.in

न तेरा न मेरा Thats मो. 9458920379

APNA GHAR 6396098804

चौकोड़ी

YOGA
MEDITATION

HOTEL RESTRO BANQUET HOMELY

(माँ कोटगाड़ी, नौलिंग
देव, पातालभुवनेश्वर)

FOOD
LIVE

पितृछाया- स्वतंत्रता संग्राम सेनानी

MUSIC
BIRTHDAY
WEDDING

स्व. जोगासिंह मर्तोलिया

होटल माँ नन्दादेवी एण्ड बारातघर

नानासेम, मुनस्यारी

गणेश सिंह मर्तोलिया एण्ड सन्स

हार्डवेयर, बिल्डिंग मैटीरियल, जनरल

आर्डर सप्लायर्स

फोन सम्पर्क- मो.- 8958525979,

05961-22236

9411134775

घर से बाहर अपनों का साथ

होटल लक्ष्य इन

मदकोट

नरेन्द्र सिंह रावत

सम्पर्क 7351285555

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक श्रीमती गीता उप्रेती द्वारा पिघलता हिमालय, जे०के०पुरम, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी (नैनीताल) उत्तराखण्ड से प्रकाशित एवं शक्ति प्रेस, जे०के०पुरम, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी (नैनीताल) से मुद्रित।

सम्पादक: श्रीमती गीता उप्रेती

फोन/मोबाइल

9458961490, 9411770280, 9411301014,

editorpighaltahimalay@gmail.com

Website- www.pighaltahimalay.com

हल्द्वानी में तुमारे अपण आँखक अस्पताल।

जहाँ आपको मिलता है पलक से पर्दे तक सम्पूर्ण इलाज

अस्पताल में आयुष्मान कार्ड, गोल्डन कार्ड, ECHS कार्ड और सभी स्वास्थ्य बीमा कार्ड पर कैशलेस इलाज की सुविधा उपलब्ध है



शुभानु आँखों का
अस्पताल

अधिक जानकारी के लिए इन नंबर पर संपर्क करें

90681 77738, 9997780135

कोहली टावर, ठंडी सड़क, सिविल लाईंस, हल्द्वानी